पाकिस्तान की क्रिकेट टीम के दौरे का रद्द किया जाना

1535. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :**
श्री एन. ई. बलराम :
श्री कृष्ण कुमार बिरला :
श्री सुरेश पचौरी :
श्री भूलेश्वर मीणा :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पाकिस्तान की क्रिकेट टीम द्वारा हाल में भारत के दौरे को रद्द किए जाने के क्या कारण है ; और

(ख) क्या यह दौरा अन्तिम रूप से रद्द कर दिया गया है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) और (ख) भारतीय क्रिकेट नियन्त्रण बोर्ड ने अक्तूबर-नवम्बर 1991 के दौरान पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के भारत के दौरे को अन्तिम रूप दिया था । सरकार ने भारतीय क्रिकेट नियन्त्रण बोर्ड के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी ।

तत्पश्चात् भारतीय क्रिकेट नियन्त्रण बोर्ड ने सरकार को सूचित किया कि अपरिहार्य परिस्थितियों की वजह से पाकिस्तानी क्रिकेट नियन्त्रण बोर्ड ने वह दौरा स्थगित कर दिया है ।

Representation of Indian in UNICEF

1536. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India does not have an official representative in the policy making body of UNICEF;

(b) whether it is a fact that an Indian on UNICEF Board presently claims to have been elected in her personal capacity;

(c) whether any officials of his Ministry have been drawing consultancy and other perquisites from UNICEF, while holding Government positions; and

(d) if so, what are the details of all officials Indian representatives in UNICEF?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) WITH ADDITIONAL CHARGE OF MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT) (KUMARI MAMTA BANERJEE): (a) No, Sir. It is not a fact.

(b) and (d) India is a Member of the Executive Board of UNICEF. The Government of India is represented on the Executive Board by the Secretary of the Department of Women & Child Development. The Secretary, Department of Women & Child Development has been elected Chairperson of the UNICEF Executive Board by name for a period of one year from 1-8-91 to 31.7.92 in her official capacity.

(c) As far as appointment of UNICEF Consultant is concerned no officer of the Ministry of Human Resource Development is drawing any such consultancy or other fees.

उत्तर प्रदेश में साक्षरता को बढ़ावा दिया जाना

1537. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार के साक्षरता मिशनों की मुख्य-मुख्य विशेषताएं क्या हैं ;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर और सुल्तानपुर में साक्षरता मिशन के अंतर्गत किए गए कार्य और इस उद्देश्य के लिए

की गई सहायता अनुदानों की कोई समीक्षा की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष निकले हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) वर्ष 1995 तक 15–35 आयु वर्ग के 8 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करने के उद्देश्य से मई, 1988 में सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (एन०एल०एम०) का मुख्य उद्देश्य यह है कि यह एक सामाजिक मिशन है, जिसकी सफलता समाज को जुटाने, संभाव्य लाभ-ग्राहियों, साक्षरता कार्यकर्ताओं एवं संपूर्ण समुदाय की सक्रिय सहभागिता पर निर्भर करता है ।

(ख) और (ग) मई, 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्रारंभ किए जाने के पश्चात्, केवल आजमगढ़ जिले में ही, प्रौढ़ शिक्षा का कार्यक्रम का मूल्यांकन वर्ष 1989–90 में पंडित गोविंद वल्लभ पंत ग्रामीण विकास अध्ययन संस्थान लखनऊ, द्वारा किया गया था । कुछ मुख्य निष्कर्ष निम्न प्रकार हैं :

1. 90 प्र०श० शिक्षु प्रत्याथियों को अध्ययन-अध्यापन सरल लगा ।

2. 78 प्र०श० शिक्षु प्रत्याथियों ने काफ़ी कुछ लिखना सीख लिया था । 21 प्र०श० शिक्षु केवल वर्णमाला लिख पाने योग्य हो गए थे । 55 प्र०श० शिक्षु सरल अंक गणितीय अभ्यास करने में सक्षम थे । 44 प्र०श० शिशु केवल संख्याएं लिखने योग्य हो गए थे ।

3. केन्द्रों में नामांकित किए गए 30 शिशुओं में से छह शिशु एक माह में 15 दिन, केन्द्रों में उपस्थित हो पाने योग्य थे । 30 में से 7 शिशु ही प्रतिदिन केन्द्रों में भाग लेते थे । शेष 17 शिक्षु 7–15 दिनों के लिए कक्षाओं में भाग ले पाये । अनुपस्थिति का कारण घरलू कार्य में व्यस्तता थी ।

4. सामाजिक एवं सांस्कृतिक वर्जना, शुल्क अदा करने के भय आदि कारणों से लोग कार्यक्रमों में भाग नहीं लेते थे ।

इस उद्देश्य के लिए संस्थान को 57,000/- रु० का अनुदान जारी किया गया था ।

Transfer of Teachers in Kendriya Vidyalaya Sangathan

1538. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY.
SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that as a result of transfers ordered by the Chairman, Kendriya Vidyalaya Sangathan during the preceding four months a large number of teachers have been superseded;

(b) whether Government have received requests from Members of Parliament for dispensing justice to superseded teachers;

(c) if so, the details thereof; and

(d) what action Government have taken thereon?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) to (d) It is true that in some cases, transfers have been directed by the Chairman, Kendriya Vidyalaya Sangathan on administrative grounds but these do not affect promotions or involve supersession any teachers.

The Government have received letters from Members of Parliament citing cases not of supersession in promotion but regarding the claims of some teachers for request transfers. These cases are being examined.

Tuition Fees for Technical Education

1539. MISS SAROJ KHAPARDE Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Task Force constituted under the All India Council for Technical Education had suggested that the Tuition fee to be collected from the students of technical education should be on the basis of percentage of the annual recurring expenditure;